मुव्हमेंट फ़ॉर पीस एंड जस्टिस फ़ॉर वेलफेयर

एक परिचय

आज देश में खाद्य सुरक्षा क़ानून मौजूद है. लेकिन झारखण्ड की संतोषी को भात-भात कहते हुए तड़प तड़प कर भूख के कारण जान गंवानी पड़ी. भूख से होने वाली यह पहली और आखरी मौत नहीं है. देश के कई भागों में भूख के कारण लोगों की मौतें होती रही हैं. देश का सबसे समृद्ध अर्थव्यवस्था वाले राज्य महाराष्ट्र में भी भूख से मौतें होती हैं. देश में बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा का क़ानून मौजूद होते हुए लाखों बच्चे स्कूल से बाहर नज़र आ रहे हैं. देश में बांधकाम मज़दूरों के लिए कल्याणकारी योजनायें भी हैं और महाराष्ट्र सरकार के पास उनके वेलफेयर फण्ड में अरबों रुपया भी मौजूद है, किन्तु मज़दूर लाभ से वंचित हैं.

इसके अलावा हमारे समाज में सदियों से सामाजिक एवं आर्थिक असामनता, विषमता, जातीय एवं वर्गीय संघर्ष तथा भेद भाव व्याप्त रहा है. राजनितिक एवं प्रशासनिक अकर्मण्यता तथा भ्रष्टाचार में लिप्त हमारी शासकीय प्रणाली के चलते लोग बदतर जीवन जीने पर मजबूर हैं. आज देश में ग़रीबी, बेरोज़गारी, असमानता, लैंगिक भेदभाव, बीमारी तथा सांप्रदायिक एवं जातीय तनाव जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं.

हर आदमी की इच्छा होती है कि, वह एक शांति पूर्ण ज़िन्दगी गुज़ारे, जो हमारी आज़ादी की लड़ाई का एक बड़ा मक़सद था. किन्तु, आज भी जनता को संविधान और क़ानून के मौजूद होते हुए भी उसका बुनियादी हक़ प्राप्त नहीं हो सका है.

इसलिए हमें अपना अधिकार पाने के लिए ख़ुद ही लड़ाई लड़नी होगी और यह लड़ाई हम सब को मिलकर लड़नी है. यह लड़ाई किसी एक की नहीं है और न ही किसी एक के विरुद्ध है. बल्कि यह लड़ाई अधिकार से वंचित समस्त लोगों की लड़ाई है. हमें अपने हक़ को पाने के लिए संगठित हो कर जन आन्दोलन के द्वारा प्रयास करना होगा.

एमपीजे एक जन आंदोलन है, जो लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों और दायित्वों से अवगत कराकर स्वैच्छिक कार्रवाई के माध्यम से समाज में शांति और न्याय स्थापित करने के लिए अस्तित्व में आया है।

विज़न:

एम पी जे एक ऐसे शांतिपूर्ण, परिवर्तित एवं न्यायसंगत समाज की कल्पना करता है, जहाँ समानता, न्याय, ईमानदारी और मानवीय गरिमा ही सतत विकास स्तम्भ हों तथा समाज के सबसे कमजोर लोगों की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक हालत में सार्थक परिवर्तन हो सके। दरअसल एम पी जे की परिकल्पना भूख, भेदभाव तथा अन्याय मुक्त भारत की है।

मिशनः

एमपीजे का लक्ष्य समाज के सामाजिक- आर्थिक रूप से वंचित और कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने और भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त सम्मान जनक जीवन जीने हेतु अधिकार प्राप्त करने में उन्हें सक्षम बनाने के लिए कार्य करना है। एम् पी जे सामाजिक अपवर्जन को समाप्त करके प्रजातान्त्रिक सिद्धांतों एवं मूल्यों पर आधारित जन अधिकारों की पहचान करने और उसकी मांग करने हेतु आम जन को सक्षम बनाना है।

एम् पी जे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय; विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और इबादत की स्वतंत्रता; प्रतिष्ठा और अवसर की समता तथा सब लोगों में व्यक्ति की गरिमा सुनिश्चित करने हेतु कार्य करने को प्रतिबद्ध है।

कार्यप्रणाली

हम ने लोगों को सशक्त करने के लिए अधिकार आधारित दृष्टिकोण अपनाया है। हम एक उत्प्रेरक के रूप में काम करते हुए लोगों को उनका हक दिलवाने के लिए जन जागरण कार्यक्रम, सार्वजनिक बैठकों तथा मीडिया के माध्यम से उनके अधिकार सम्बंधित आवश्यक एवं महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराते हुए भारत के संविधान में प्रतिष्ठापित उनके अधिकारों की पहचान करने में मदद करते हैं। हम सार्वजनिक धरना,विरोध प्रदर्शन, सार्वजनिक शिकायतें दर्ज करने, पक्षसमर्थन और मीडिया संवेदीकरण का आयोजन करके उनके अधिकारों की मांग करने में भी सहायता प्रदान करते हैं।

गरिमा के साथ जीने का अधिकार एक संवैधानिक गारंटी है:

"शोषण, भेदभाव और असमानता से मुक्त मानवीय गरिमा के साथ जीना हमारा मौलिक अधिकार है"।

हमारा संविधान समानता, स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और जीवन की सुरक्षा की गारंटी देता है।

हमारा संविधान हमें " गरिमा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के लिए " अधिकार प्रदान करता है । इस गरिमा के साथ

एम पी जे के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- देश एवं समाज के विकास हेतु मानदंडों का निर्धारण,
- एक साधारण एवं पहुँच के भीतर न्याय प्रणाली को सुनिश्चित करना,
- मानव अधिकारों का सम्मान एवं रक्षा करना,
- विभिन्न समुदाय के लोगों के बीच आपसी भाईचारा एवं सौहाद्र का संवर्धन करना,
- समाज में शांति की स्थापना के लिए कार्य करना,
- समाज में प्रजातात्रिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना तथा फ़ासीवादी प्रवृत्तियों को समाप्त करने का प्रयास करना,
- धार्मिक, भाषीय तथा सांस्कृतिक संस्थानों के अधिकारों कि रक्षा करना,
- सामाजिक असमानता, आर्थिक उत्पीड़न तथा अन्याय आदि का उन्मूलन हेतु कार्य करना,
- समाज में औरतों को अधिकार पूर्ण तथा न्याय संगत रुतबा प्रदान करने हेतु कार्य करना,
- समाज से ग़रीबी, बीमारी तथा अज्ञानता समाप्त करने हेतु कार्य करना,
- सरकार एवं प्रशासन को उनके ज़िम्मेदारियों कि याद दिलाना।

हमारी गतिविधियाँ:

- अन्न का अधिकार
- शिक्षा का अधिकार
- सवास्थ्य का अधिकार
- अल्पसंख्यक का अधिकार
- महिला एवं युवा कल्याण
- असंगठित श्रम कल्याण

- न्यायिक हस्तक्षेप

अपील

मुव्मेंट फॉर पीस एंड जस्टिस फॉर वेलफेयर (एमपीजे) को आप की ज़रुरत है, क्योंकि आप ख़ुद समाज में एक बड़ा बदलाव चाहते हैं। आप की ज़रुरत इस लिए भी है की आप एक अच्छे दिल और दीमाग के मालिक हैं जो न केवल दूसरों का दर्द महसूस करता है बल्कि उस दर्द को बांटने में भी विश्वास करता है। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि, एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा से विजयी जोड़ी रहे हैं और आज हमें आप जैसे विजेताओं की ज़रुरत है।

आप प्रदेश की वर्तमान सामाजिक एवं आर्थिक दशा देख रहे हैं। प्रदेश में ग़रीबी, भुखमरी, बीमारी, बेरोज़गारी तथा भ्रष्टाचार जैसी अनेक समस्याएँ मुंह बाए खड़ी हैं। समाज का एक बड़ा तबक़ा आज भी ज़िन्दगी बसर करने के लिए ज़रूरी बुनयादी सुविधाओं से वंचित है। आज भी प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विषमता एवं असामनता साफ़ तौर पर नज़र आता है। हर व्यक्ति शांति एवं सुख का अभिलाषी है और इस लक्ष्य को पाने के लिए बड़े बदलाव की ज़रुरत है।

इसी बदलाव एवं लोगों को उसका अधिकार दिलाने के लिए ही तो सामाजिक संगठनें दिन और रात एक कर के काम कर रही हैं। यह सामाजिक संगठन ही तो है, जिसने सरकार से लड़कर आपको सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार तथा खाद्य सुरक्षा जैसे अनेक लाभ पहुंचाए। सामाजिक संगठनों को भी तो आप जैसे उर्जावान लोग ही चलाते हैं।

इसलिए एमपीजे को आप की ज़रुरत है, क्योंकि आप में बदलाव लाने की क्षमता है। महात्मा गाँधी ने भी तो कहा था कि, खुद वह बदलाव बनिए जो दुनिया में आप देखना चाहते हैं।

Connect with us

Movement for Peace & Justice for Welfare

mpjindia.org

mpjblog.com

/mpjindia

@mpjindia

/mpjmaharashtra

/mpjindia

mpjmaharashtra@gmail.com

+91-9324201186